UP Board Notes Class 7 Hindi Chapter 12 अकबर महान (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

अकबर का जन्म राणा वीरसाल के महल में 15 अक्टूबर, सन् 1542 ई० में हुआ था। इनके पिता का नाम हुमायूँ और माता का नाम हमीदाबानो था। अकबर का बचपन कड़े संघर्ष के बीच बीता लेकिन बचपन की मुसीबतों ने इसे निर्भीक और साहसी बना दिया। इसका मन पढ़ाई में नहीं; बल्कि अनुभव ज्ञान में अधिक लगता था। जब यह चौदह वर्ष का हुआ तब पिता का देहान्त हो गया था। फिर भी अपने संरक्षक बैरम खाँ तथा धर्म-शिक्षक अब्दुल लतीफ के सहयोग से इसने यश अर्जित किया। यह उदार मुगल शासक था। इसने एकता और समानता का भाव उत्पन्न करने के लिए हिन्दुओं पर लगा जजिया कर समाप्त कर दिया और सब धर्मों के लोगों को अपना-अपना धर्म पालन करने की स्वतन्त्रता दी। इसने 'दीन-ए-इलाही' नामक एक नया धर्म चलाया, जिसमें सब धर्मों की अच्छी बातों को ग्रहण किया गया था। इसके दरबार में विद्वानों, साहित्यक़ारों, संगीतज्ञों, चित्रकारों तथा सुलेखकों का बहुत आदर होता था। वह कठिनाइयों का डटकर सामना करता था। तैमूर और चंगेज खाँ का वंशज होने पर भी उसने अपने को पूरी तरह भारतीय बना लिया था। भारत के इतिहास में इसे अकबर महान के रूप में याद रखा जाएगा।

https://www.evidyarthi.in/